



पीएम मोदी ने जापानी पीएम ताकाइची को बताया 'छोटी बहन', बोले- रिश्तों का नया अध्याय शुरू

(जीएनएस)। भारत-जापान के 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने गुरुवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची का स्वागत करते हुए उन्हें ह्यूगोटी बहनहू कहकर संबोधित किया और कहा कि उनकी भारत यात्रा से दोनों देशों की स्पेशल स्ट्रेटजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप के नए अध्याय की शुरुआत हो रही है।

पीएम ताकाइची का किया गर्मजोशी से स्वागत
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हूभारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए छोटी बहन प्रधानमंत्री ताकाइची का भारत की पहली यात्रा पर स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं और एक दूरदर्शी एवं लोकप्रिय नेता भी हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची और मेरा विश्वास है कि टेकोलॉजी पार्टनरशिप हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए आज एआई के क्षेत्र में हमने

वैश्विक एआई विकास को नई गति देगा। रक्षा क्षेत्र में आज भारत और जापान के पहले को-डेवलपमेंट



प्रोजेक्ट पर समझौता हुआ है। निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। पिछले एक वर्ष में करीब 120 नए व्यावसायिक समझौते हुए हैं, जिनसे भारत में 10 बिलियन डॉलर से अधिक का जापानी निवेश आया है। द्विपक्षीय वार्ता में कई अहम मुद्दों पर चर्चा

प्रधानमंत्री बनने के बाद साने ताकाइची का यह पहला भारत दौरा

हिस्सा लेंगी, जहां दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार और आर्थिक

जापानी निवेशकों के लिए 'जापान बिजनेस वीक' आयोजित करेगा पीएमओ : पीएम

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-जापान संयुक्त आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए दोनों देशों के कारोबारी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की आर्थिक साझेदारी विश्वास, रणनीतिक तालमेल और स्पष्ट दृष्टि पर आधारित है। उन्होंने जापानी कंपनियों से अगले 10 वर्षों में भारत में निवेश को 10 ट्रिलियन येन से आगे ले जाने और भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य रखा। भारत-जापान आर्थिक साझेदारी की सराहना प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान के संबंध बेहद विशेष हैं और दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी की कई सफल मिसालें मौजूद हैं। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के नए संयंत्र के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया में सुजुकी की दो-तिहाई कारों

का निर्माण भारत में हो रहा है और उनका निर्यात 100 से अधिक देशों में किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कावासाकी, यामाहा और होंडा की मोटरसाइकिलें भी भारत में बनकर दुनिया के कई देशों में निर्यात की जा रही हैं। **भारत सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य**
पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन में बाधाओं, व्यापारिक अनिश्चितताओं और मांग में कमी जैसी चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.7% रही। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने हल्काइनेज़हन यानी निरंतर सुधार की अवधारणा को अपनाते हुए कर व्यवस्था, सुशासन और कारोबार सुगमता के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार चार वर्षों से जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल

सहयोग को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर रहेगा।

कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के सर्वे में भारत जापानी कारोबार के लिए सबसे आशाजनक निवेश गंतव्य बना हुआ है। **पीएमओ करेगा 'जापान बिजनेस वीक' का आयोजन**
प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) विशेष रूप से ह्यूजापान बिजनेस वीकहू का आयोजन करेगा। इस दौरान पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी जापानी उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। **एआई, रक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग**
पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बीच आर्थिक सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रक्षा और स्वास्थ्य सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की सरकारों के बीच रणनीतिक तालमेल, विश्वास

दिल्ली में बनेगी 8किमी. की अंडरग्राउंड टनल! द्वारका से वसंत कुंज तक पूरा रूट, लागत ₹7000 करोड़

दिल्ली में ट्रेफिक जाम करने और शहर के अलग-अलग हिस्सों के बीच सफर को तेज बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) ने करीब 6,969.67 करोड़ रुपये की लागत वाली 8.1 किलोमीटर लंबी छह लेन रोड टनल परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह टनल द्वारका एक्सप्रेसवे (एनएच-248 बीबी) को नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज से सीधे जोड़ेगी। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी को इस सौगात के लिए धन्यवाद कहा है।

8वें वेतन आयोग को लेकर आई बड़ी खबर! सैलरी और पेंशन पर अपडेट ?

(जीएनएस)। केन्द्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर जुलाई का महीना काफी अहम माना जा रहा है। आयोग अब अपने काम के उस चरण में पहुंच चुका है, जहां अलग-अलग राज्यों में जाकर कर्मचारी संगठनों, मंत्रालयों, सरकारी विभागों और पेंशनर्स के प्रतिनिधियों से सीधे बातचीत की जा रही है।

आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार जुलाई में भुवनेश्वर और कोलकाता में कई महत्वपूर्ण बैठकें प्रस्तावित हैं। इन बैठकों में मिले सुझाव आगे की सिफारिशों की दिशा तय करेंगे। इसी बीच लाखों कर्मचारियों के मन में वेतन बढ़ोतरी, फिटमेंट फैक्टर, नए भत्ते, पेंशन में बदलाव, रिपोर्ट की समयसीमा और संभावित लागू होने की तारीख जैसे कई सवाल बने हुए हैं। आयोग के गठन से लेकर मौजूदा स्थिति तक, यहां जानिए

भारत में बात होती रही, चीन ने लागू कर दिया यूसीसी जैसा कानून

(जीएनएस)। कॉलड वॉर के बाद से दुनिया में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रहा चीन अब अपने ही देश के अंदर रहने वाले अलग-अलग समुदायों की पहचान को एक जैसा बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा चुका है। 1 जुलाई 2026 से चीन में 'Ethnic Unity and Progress Promotion Law' लागू हो गया है। आसान भाषा में कहें तो यह भारत के वउउ जैसा है, जिसकी चर्चा भारत में लंबे अरसे से हो रही है। क्या है ये कानून, कैसे करेगा काम, इससे चीन को क्या फायदा होगा और नुकसान किसे होगा, जानेंगे सब डिटेल् में। **खतरे में तिब्बती, उइगर और मंगोलियाई समुदाय**
चीनी सरकार का कहना है कि इससे राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति मजबूत होगी। लेकिन मानवाधिकार संगठन इसे सांस्कृतिक पहचान खत्म

'2 करोड़ की जमीन 10 मिनट में 18 करोड़ में राम मंदिर ट्रस्ट को बेची गई', केजरीवाल ने पीएम मोदी को घेरा

(जीएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर निर्माण और संबंधित गतिविधियों में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें महाभारत के धृतराष्ट्र की संज्ञा दी। केजरीवाल का आरोप है कि मंदिर ट्रस्ट में जमीन खरीद और चंदा चोरी जैसे घोटालों की जानकारी होने के बावजूद प्रधानमंत्री चुप रहे।

केजरीवाल ने दावा किया कि जब मामला सार्वजनिक होने लगा तो फर्जी एसआईटी गठित कर लोगों की आंखों में धूल झांकी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री को सब पता था, फिर भी उन्होंने आंखें क्यों बंद रखीं? **2. आयोग की कमान किसके हाथ में**
8वें वेतन आयोग की अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई हैं। उनके साथ प्रोफेसर पुलक घोष पाट

विवाद का केंद्र हरीश पाठक और उनकी पत्नी कुसुम पाठक हैं। दोनों अयोध्या क्षेत्र में 'साकेत गोट फार्मिंग' कंपनी चलाते थे। कंपनी ने बकरी पालन के नाम पर लोगों से निवेश जुटाया। योजना थी कि एक यूनिट (एक बकरी) खरीदने पर निवेशक

को दूध, बच्चे और अन्य आय से मुनाफा मिलेगा। कंपनी देखभाल का जिम्मा लेगी। 2009 में शुरू हुई यह कंपनी 2016-19 के बीच विवादों में घिर गई। हरीश पाठक पर धोखाधड़ी, फिलहाल आयोग परामर्श और सक्षम जुटाने के दौर में है। देशभर में कर्मचारी यूनियनों, कर्मचारी संगठनों, मंत्रालयों और सरकारी विभागों के साथ बैठकें की जा रही हैं। इन चर्चाओं का उद्देश्य वेतन ढांचे, भत्तों, सेवा शर्तों और पेंशन व्यवस्था से जुड़े सभी पक्षों की राय जानना है, ताकि अंतिम रिपोर्ट ज्यादा व्यापक हो सके। 4. जुलाई में कहां होंगी अहम बैठकें

आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 6 और 7 जुलाई 2026 को भुवनेश्वर में हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 9 और 10 जुलाई को कोलकाता में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ चर्चा होगी। इन बैठकों को आयोग की आगे की सिफारिशों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। **'शी जिनपिंग थॉट' पढ़ाना भी होगा जरूरी**
सिर्फ भाषा ही नहीं, बल्कि शिक्षा के जरिए सरकार अपनी विचारधारा भी मजबूत करना चाहती है। नए कानून के अनुसार अब स्कूलों, परिवारों और सामाजिक संगठनों को 'चीनी राष्ट्रीय पहचान' को बढ़ावा देना होगा। इसके साथ ही बच्चों को 'शी जिनपिंग थॉट' और कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा पढ़ाना भी अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार चाहती है कि नई पीढ़ी एक ही राष्ट्रीय सोच के साथ आगे बढ़े। **अंतर-जातीय शादी को मिलेगा बढ़ावा**
यह कानून सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं है। सरकार अब अलग-अलग जातीय समुदायों के बीच Inter-ethnic Marriage यानी अंतर-जातीय विवाह को भी बढ़ावा देगी।

जालसाजी और निवेशकों के पैसे गबन के आरोप लगे। अयोध्या, बस्ती और अन्य जिलों में कई एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया और कुसुम पाठक के घर की कुर्की भी की गई। चार्जशीट दाखिल हुई, लेकिन पाठक परिवार फरार रहा। 18 मार्च 2021 को इस परिवार ने अयोध्या के बागबिजौसी गांव में अपनी जमीन सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी को 2 करोड़ रुपये में बेची। मात्र 10 मिनट में उन्हीं खरीदारों ने यह जमीन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 18.5 करोड़ रुपये में बेच दी। इस मूल्य अंतर (लगभग 9 गुना) ने घोटाले के आरोपों को हवा दी।

विपक्षी दलों ने दावा किया कि यह सौदा ट्रस्ट के कुछ सदस्यों की मिलीभगत से हुआ। फिलहाल आयोग परामर्श और सक्षम जुटाने के दौर में है। देशभर में कर्मचारी यूनियनों, कर्मचारी संगठनों, मंत्रालयों और सरकारी विभागों के साथ बैठकें की जा रही हैं। इन चर्चाओं का उद्देश्य वेतन ढांचे, भत्तों, सेवा शर्तों और पेंशन व्यवस्था से जुड़े सभी पक्षों की राय जानना है, ताकि अंतिम रिपोर्ट ज्यादा व्यापक हो सके। 4. जुलाई में कहां होंगी अहम बैठकें

केंद्र सरकार ने कानपुर की इस परियोजना को दी मंजूरी, सीएम योगी ने पीएम मोदी का जताया आभार

कानपुर-कबर्वाई ग्रीनफील्ड हाईवे परियोजना को पीएम मोदी ने मंजूरी दी है. योजना से कानपुर और आसपास के क्षेत्र को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी. मुख्यमंत्री योगी ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया है. (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ी सौगात मिली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने कानपुर-कबर्वाई एक्सप्रेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दे दी है. करीब 7,145 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली इस परियोजना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा कि 'विकसित उत्तर प्रदेश'

के संकल्प को नई शक्ति देने वाले इस दूरदर्शी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र

प्रदान करेगा. इससे आवागमन सुगम होगा, निवेश को नई गति मिलेगी और



मोदी जी का हार्दिक आभार. उन्होंने यह भी लिखा कि भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और कानपुर रिंग रोड को निर्बाध कनेक्टिविटी

क्षेत्र के औद्योगिक विकास को सुदृढ़ आधार प्राप्त होगा. कानपुर को तेज गति के साथ रफ्तार देने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की यह खूबी है कि यह राजमार्ग-34 के अंतर्गत बनने वाला यह 117.7 किलोमीटर लंबा चार लेन का एक्सप्रेस

कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे भविष्य में छह लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा. इस हाईवे के बनने के बाद कानपुर से कबर्वाई तक का सफर, जो अभी करीब साढ़े तीन घंटे में पूरा होता है, वह घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा. इस परियोजना का उद्देश्य हाईवे को कानपुर, कबर्वाई, सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के बीच तेज और सुगम कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है. इससे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का जुड़ाव मध्य प्रदेश के खनिज, कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों से और मजबूत होगा. इतना ही नहीं इससे व्यापार, उद्योग और माल परिवहन को भी गति मिलेगी. बता दें इस परियोजना के निर्माण से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा. यह भी आकलन है कि निर्माण कार्य के दौरान करीब 1.2 करोड़ मानव-दिवस प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे. साथ ही इससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी.



गरवी गुजरात हिन्दी



JioTV CHENNAL NO. 2002



Jio Air Fiber



Jio Tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba Tv



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गरवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

सम्पादकीय

ट्रंप और मेलोनी के मध्य घट रह सम्मान

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से जुड़े कई पोस्ट सोशल मीडिया पर तैर रहे हैं। इनमें से कुछ में तो ऐसा दिखाया गया है जैसे वो किसी ब्रेक- अप के बाद अपनी जिंदगी बदलने की कोशिश कर रही हों। एक एआई फोटो में उन्हें नए हेयरकट के साथ दिखाया गया है। एक अन्य तस्वीर में उन्हें सिंगल हॉलिडे बुक करते हुए दिखाया गया है। ये सारी तस्वीरें असली नहीं हैं, लेकिन उनका मजाक इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच खुले तौर पर विवाद अब सामने आ रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप और मेलोनी का रिश्ता कभी खुले हमलों तक गया, कभी भी निजी तानों तक और फिर थोड़ा ठीक भी हुआ लेकिन इन उठापटक से यूरोप की सबसे चर्चित राजनीतिक दोस्ती टंडी पड़ गई।
बुछ समय पहले तक लोग मेलोनी को ट्रंप की सहयोगी कहते थे। इसकी बानगी जनवरी 2025 में देखने को मिली जब ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें सबसे आगे बैठने की जगह मिली। समारोह में यह अहम जगह पाने वाली वह अकेली यूरोपीय नेता थीं। पिछले अप्रैल में मेलोनी व्हाइट हाउस गई थीं। वहां वह उस उद्देश्य से गई थीं ताकि यूरोपीय सामान पर लगे अमेरिकी ट्रेड टैरिफ को लेकर तनाव कम हो। लेकिन ट्रंप की जैसी आदत है, उनकी अनिश्चितता मेलोनी के लिए मुश्किल भरी साबित हुई और उनकी साख को देश-विदेश दोनों जगह चोट पहुंची। ट्रंप और मेलोनी में पहली बड़ी दरार मार्च के आखिर में आई। इटली के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी सैन्य जहाजों को सिसिली के सिगोनेला नाटो एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। इटली ने ये कदम इसलिए उठाया क्योंकि उनका कानून और जनता दोनों ही ईरान युद्ध के खिलाफ थे। यह विवाद और बढ़ गया। अप्रैल में ट्रंप ने ट्थ सोशल पर पोस्ट लियो (14वें) पर हमला करते लिखा, क्योंकि उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध की चेतावनी व आलोचना की थी। ट्रंप ने उन्हें कमजोर बताया। वैश्वोलिक देश की नेता मेलोनी ने ट्रंप के बयान को अस्वीकार्य बताया। मेलोनी की सख्त प्रतिनि्रया ट्रंप को पसंद नहीं आई और उन्होंने इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा से कहा: मैं हैरान हूं, मुझे लगा था कि उनमें हिम्मत है, लेकिन मैं गलत था। वह अब पहले जैसी नहीं रही और इटली भी पहले जैसा देश नहीं रहा।

फ्रांस ने जी-7 सम्मेलन में ट्रंप और मेलोनी को बातचीत करते हुए देखा गया था। दोनों देशों के अधिकारियों ने इस बातचीत को सकारात्मक और सामान्य बताया। लेकिन कुछ ही दिनों बाद ट्रंप ने इतालवी चैनल को कहा मेलोनी ने समिट में उनसे फोटो खिंचवाने के लिए मिनत की थी। ट्रंप ने कहा कि वह मेरे साथ तस्वीर चाहती थीं, मैं नहीं लेता, लेकिन मुझे उन पर तरस आ गया। मेलोनी ने तुरंत जवाब दिया, उन्होंने वीडियो जारी कर ट्रंप की बात को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने सहयोगियों के साथ ऐसा क्यों करते हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि अफसोस है कि वह पश्चिम के दुश्मनों के खिलाफ ऐसी मजबूती नहीं दिखाते। लेकिन एक बात याद रखनी चाहिए, न मैं और न ही इटली किसी की मिनत करता है। इसके तुरंत बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तानाजी ने अपनी प्रस्तावित अमेरिकी यात्रा रद्द कर दी। इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरैला ने मेलोनी को फोन कर उनका समर्थन किया।

सरकार के सहयोगियों और सांसदों ने भी ट्रंप की टिप्पणियों को अपमानजनक बताया और माफी की मांग की। विपक्ष ने इसे पूरे देश का अपमान कहा। दूसरी तरफ ट्रंप ने फिर दोहराया कि मेलोनी ने बार-बार तस्वीर खिंचवाने की मांग की थी। मेलोनी पर यह भी आरोप लगाया कि वह अब दोबारा दोस्त बनने की कोशिश कर रही हैं। क्योंकि अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है। जैसे ही यह विवाद ठंडा पड़ता दिखा तो सैन्य ठिकानों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद ईरान युद्ध में आपरेशन प्यूरी के दौरान इटली के अमेरिकी एयरबेस को लेकर उठा। नाटो के महासचिव मार्व रुटे ने बताया कि लगभग 500 विमान इटली में अमेरिकन ठिकानों से ऑपरेशन एपिक प्यूरी में उड़ान भरी।

गोविंदा से मुझे बेवफाई मिली, धोखा दिया', पत्नी सुनीता आहूजा का पति के अफेयर्स पर बड़ा खुलासा, बताई ऐसी सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। रिप्लिटडी शो 'लॉक अप' सीजन 2 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही सुनीता आहूजा ने अपनी शादी, रिश्तों में आई मुश्किलों और परिवार को लेकर खुलकर बातचीत की है। शो के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि जिंदगी में जो कुछ हुआ, उसे अब बदलना संभव नहीं है और वह फिलहाल अपने बच्चों की खुशी को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं।

शादी में आई चुनौतियों पर खुलकर बोलीं सुनीता आहूजा शो में को-कंटेस्टेंट श्रेया कालरा के साथ बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा से उनके पुराने इंटरव्यूज में किए गए चींटिंग और धोखे से जुड़े बयानों पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि जो बातें बीत चुकी हैं, उन पर अब ज्यादा सोचने का कोई

ड्रमर, टीवी एंकर और फिर पहली महिला प्रधानमंत्री, फिल्मी है कहानी

(जीएनएस)। भारत और जापान के रिश्ते लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। इसी कड़ी में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर भारत पहुंची हैं। नई दिल्ली में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई, जहां दोनों नेताओं ने रक्षा, नई तकनीक और वैश्विक व्यापार जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जो आने वाले समय में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देंगे। ऐसे में सभी जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बारे में जानना चाहते हैं। साथ ही पता करना चाहते हैं कि कभी ड्रम बजाने का शौक रखने वाली साने पीएम के पद तक कैसे पहुंचीं।

रॉक बैंड की ड्रमर से प्रधानमंत्री बनने तक का सफर साने ताकाइची का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने अमेरिका में टीवी एंकर के रूप में काम किया। इतना ही नहीं, उन्हें संगीत का भी शौक था और वे एक हेवी-मेटल रॉक बैंड में ड्रम बजाया करती थीं। बाद में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और अपनी मेहनत के दम कर पर जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का इतिहास रच दिया। ताकाइची का शुरूआती करियर काफी अलग रहा। अमेरिका में रहने के दौरान उन्होंने अमेरिकी सांसद पेट्रिसिया श्रोएडर के साथ काम किया। यहां उन्हें कानून बनाने की प्रक्रिया और राजनीतिक रणनीतियों को करीब से समझने का मौका मिला। इसी

पीएम मोदी का जापान से दशकों पुराना रिश्ता, वो अनसुनी कहानी, जो है दोस्ती की सबसे मजबूत नींव

(जीएनएस)। नई दिल्ली. जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के भारत दौरे के साथ भारत-जापान संबंधों को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान का रिश्ता सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं है. यह रिश्ता आज का नहीं, बल्कि चार दशक से भी पुराना है. एक युवा फर प्रचारक की जापानी युवक से हुई दोस्ती से शुरू हुई यह कहानी आज भारत-जापान की सबसे मजबूत रणनीतिक साझेदारियों में गिनी जाती है.

नरेंद्र मोदी का जापान से पहला व्यक्तिगत जुड़ाव 1980 के दशक की शुरूआत में हुआ था. उस समय वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के युवा प्रचारक थे. नेपाल यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात जापान के नागोया शहर के एक युवक से हुई. दोनों के बीच ऐसी दोस्ती हुई, जो वर्षों तक चिट्ठियों के जरिए चलीती रही. जापानी मित्र उन्हें मशहूर जापानी ब्रांड के जूते, टी-शर्ट और अन्य उपहार भेजता था, जबकि मोदी ने उसे भगवद्गीता की एक प्रति भेंट की. कम उम्र में ही मोदी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल व्यक्तिगत दोस्ती नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम मानते थे.

समय बीतने के साथ जापान के प्रति उनका आकर्षण और गहरा होता

गया. वर्ष 2007 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान पहुंचे नरेंद्र मोदी ने इस दौरे को सिर्फ निवेश जुटाने का कार्यक्रम नहीं बनने दिया. वह जापान को समझने और उससे सीखने के मिशन पर निकले थे. 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ उन्होंने टोक्यो, ओसाका, हिरोशिमा और कोबे का दौरा किया. मित्सुबिशी, मित्सुई, सुमितोमो, मारुबेनी, सुजुकी, तोशिबा, निप्पॉन स्टील और निसान स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की. इसी दौरे में खएल्यफ्ट और गुजरात सरकार के बीच अहम निवेश समझौते भी हुए.

यही वह यात्रा थी, जिसमें नरेंद्र मोदी की मुलाकात जापान के भावी प्रधानमंत्री शिंजो आबे से हुई. पहली मुलाकात में ही दोनों नेताओं के बीच ऐसा विश्वास बना, जो आगे चलकर दुनिया की सबसे चर्चित राजनीतिक मित्रता में शामिल हो गया. बताया जाता है कि आबे की बीमारी के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी लगातार उनका हालचाल लेते रहे.

जब बुलेट ट्रेन में किया सफर
जापान की मशहूर शिकानसेन बुलेट ट्रेन में सफर करते हुए नरेंद्र मोदी ने पहली बार भारत में भी बुलेट ट्रेन चलाने का सपना देखा. उन्हें ट्रेन के ड्राइवर के कॉकपिट में बैठने का दुर्लभ अवसर मिला, जहां उन्होंने इंजीनियरों से भूकंप सुरक्षा, समय की

तारीफ करते रहे हैं, जो पार्टी में ही उनके विरोधियों को कई बार रास नहीं आती हैं। थरूर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की है और कहा है कि इससे यह बात तय हो गई है कि 21वीं सदी में भारत कैसे आगे बढ़ेगा। शशि थरूर ने 12 साल में मोदी के कार्यकाल का किया आकलन

डॉ. शशि थरूर के कार्यालय ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर प्रोजेक्ट सिंडिकेट में लिखे अपने एक लेख को री-पोस्ट करते हुए जिक्र किया। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। शशि थरूर के

तारीफ करते रहे हैं, जो पार्टी में ही उनके विरोधियों को कई बार रास नहीं आती हैं। थरूर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की है और कहा है कि इससे यह बात तय हो गई है कि 21वीं सदी में भारत कैसे आगे बढ़ेगा। शशि थरूर ने 12 साल में मोदी के कार्यकाल का किया आकलन

डॉ. शशि थरूर ने एक लेख लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांपद शशि थरूर अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नेतृत्व क्षमता की

वजह है कि उन्होंने अलग रहने का फैसला किया ताकि दोनों अपनी-अपनी सुविधानुसार जीवन जी सकें। सालों से चर्चा में रहे गोविंदा के अफेयर के किस्से –जानकारी के अनुसार गोविंदा और सुनीता आहूजा ने साल 1987 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं– टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा हैं। अपने लंबे फिल्मी करियर के दौरान गोविंदा का नाम कई एक्ट्रेसस के साथ जोड़ा गया। खासतौर पर 90 के दशक में एनीटा सैलम के साथ उनके रिश्तों की चर्चाएं खूब सुर्खियों में रही थीं।

–पिछले कुछ समय से गोविंदा का नाम एक मराठी एक्ट्रेस के साथ भी जोड़ा जाता रहा है। हालांकि इन खबरों की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन इन्हें लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा होती रही है।

बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। साल 1996 में ताकाइची जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) में शामिल हुईं। यहां उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का समर्थन मिला। आबे सरकार में उन्होंने आंतरिक मामलों और संचार मंत्री के रूप में काम किया और अपनी प्रशासनिक क्षमता साबित की। उनकी कार्यशैली की वजह से वे पार्टी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में शामिल हो गईं। साल 2022 से 2024 के बीच, प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की सरकार में ताकाइची ने आर्थिक सुरक्षा मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई बड़े फैसले लिए। खास तौर पर संवेदनशील तकनीक और सरकारी गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा के लिए Security Clearance

पाबंदी और तकनीकी व्यवस्था पर विस्तार से सवाल किए. बाद में यही अनुभव भारत की हाई–स्पीड रेल परियोजना की सोच का आधार बना. इस सफर के दौरान भाषा की बाधा भी उन्हें नहीं रोक सकी. उन्होंने जापानी बच्चों से दोस्ती की और यात्रा का



बड़ा हिस्सा उनके साथ खेलते-बात करते बिताया.

टोक्यो के ऐतिहासिक सेंसोजी मंदिर में भी मोदी सिर्फ दर्शन करने नहीं पहुंचे. उन्होंने वहां भीड़ प्रबंधन, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और शहरी व्यवस्था का बारीकी से अध्ययन किया. उनका मानना था कि भारत के तीर्थस्थलों में भी ऐसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं.

जापान के एक विश्वविद्यालय में जब उनसे चीन के बढ़ते प्रभाव पर सवाल पूछा गया तो नरेंद्र मोदी ने तलवार की जगह दीपक का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा, अंधेरे



ऑफिस ने लिखा–क्या पिछले 12 सालों में भारत में बुनियादी बदलाव आया है? प्रोजेक्ट सिंडिकेट के लिए

अपने हालिया लेख में डॉ. शशि थरूर ने मोदी सरकार के दौर में हुई तरक्की और उससे जुड़ी चिंताओं का आकलन करते हैं और यह भी बताते

को तलवार से नहीं हराया जा सकता, एक छोटा–सा दीपक उसे दूर कर सकता है. उनका कहना था कि भारत और जापान अपने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के जरिए दुनिया के लिए वही प्रकाश बन सकते हैं.

जब पीएम मोदी ने मांगी थी



जापान की र्माँ ट्टी और पानी मोदी की सोच केवल सरकारों तक सीमित नहीं थी. गुजरात के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान उन्होंने जापान में रहने वाले गुजरातियों से महात्मा मंदिर के निर्माण के लिए मिट्टी और पानी भेजने की अपील की. साथ ही उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपने जापानी मित्रों को भारत लाने और दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्ते मजबूत करने का आग्रह भी किया.

कच्छ में भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के दौरान उन्होंने जापान के कोबे शहर के भूकंप–रोधी मॉडल



हैं कि इसका भारत के भविष्य पर क्या असर होगा।

थरूर ने लिखा–12 साल में मोदी के कार्यकाल में जबरदस्त तरक्की थरूर ने लेख में लिखा–पिछले 12 सालों में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र

को अपनाने पर जोर दिया. वहीं गुजरात में बच्चों के कुपोषण से लड़ने के लिए अधिकारियों को जापान की मिड–डे मील व्यवस्था का अध्ययन करने की सलाह दी.

जब जापान के अखबार ने लिखा–इंडस्ट्री फ्रेंडली लीडर
साल 2012 में नरेंद्र मोदी दोबारा जापान पहुंचे तो उनका स्वागत ऐसे सम्मान के साथ हुआ, जो किसी राज्य के मुख्यमंत्री को शायद ही कभी मिलता है. भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर उन्होंने सिर्फ पांच दिनों में पांच शहरों में 40 से अधिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. जापान के प्रतिष्ठित अखबार निक्केई ने उन्हें भारत का सबसे उद्योग–अनुकूल नेता बताया. नवरात्रि का व्रत रखने और बेहद व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने निवेशकों के साथ घंटों चर्चा की.

सुजुकी प्रमुख ओसामु सुजुकी के घर पारंपरिक जापानी आतिथ्य का अनुभव लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने अचानक सुजुकी के ऑटोमोबाइल प्लांट को देखने के इच्छा जताई. उन्होंने तीन घंटे से ज्यादा समय तक पूरी निर्माण प्रक्रिया को देखा और भारतीय इंजीनियरों से विस्तार से बातचीत की. उनका उद्देश्य साफ था गुजरात को जापानी निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनाना.

मोदी के कार्यकाल में आर्थिक आधुनिकीकरण और सरकारी क्षमता बढ़ाने के मामले में जबरदस्त तरक्की हुई है। साथ ही संस्थागत स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों को शामिल करने के मामले में निराशाजनक गिरावट भी देखी गई है। यह रिकॉर्ड इस बात की अहम जानकारी देता है कि भारत 21वीं सदी में कैसे आगे बढ़ेगा। आजादी के बाद भारत के तीन सबसे प्रभावशाली नेताओं में मोदी निस्संदेह उनके साथ खड़े हैं। मोदी की विरासत की उन्हीं की तरह भारत की राह तय करेगी। शशि थरूर, अपने एक लेख में मोदी आज नेहरू और इंदिरा के साथ खड़े हैं थरूर ने लिखा है–10 जून को

नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए। उन्होंने आजादी के दौर के नायक जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पहले आम चुनावों के बाद 4,398 दिनों तक पद संभाला था। थरूर ने लिखा–हालांकि नेहरू ने उन पहले चुनावों से पहले भी पांच साल तक भारत का नेतृत्व किया था और इंदिरा गांधी ने कुल मिलाकर उनसे ज्यादा समय तक सेवा की थी, लेकिन लगातार नहीं। फिर भी, आजादी के बाद भारत के तीन सबसे प्रभावशाली नेताओं में मोदी निस्संदेह उनके साथ खड़े हैं। मोदी की विरासत भी उन्हीं की तरह भारत की राह तय करेगी।

50 साल की फेमस एक्ट्रेस के पिता ने जुड़वा बहनों से कर ली शादी, भाजपा की महिला नेता को नहीं पता कौन हैं मां?

(जीएनएस)।

फिल्मी पर्दे पर अक्सर रिश्तों और परिवारों की अनोखी कहानियां दिखाई जाती हैं लेकिन साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस श्रुति कृष्णा की असल जिंदगी ऐसी है, जो किसी स्क्रिप्टेड कहानी से भी ज्यादा हैरान कर देने वाली लगती है। करीब 36 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में अपनी पहचान बनाने वाली ये एक्ट्रेस एक ऐसे परिवार में पली–बढ़ी, जहां उन्हें दो–दो मां का प्यार मिला। दिलचस्प बात ये है कि आज तक उन्हें ये नहीं पता कि उनकी बायोलॉजिकल मां कौन हैं और उन्होंने कभी ये जानने की कोशिश भी नहीं की।

जब पिता ने जुड़वां बहनों से की शादी, बनी अनोखी फैमिली

System लागू किया, जिसे रक्षा विशेषज्ञों ने काफी महत्वपूर्ण कदम माना। प्रधानमंत्री बनने का सफर आसान नहीं था। उन्होंने 2021 में पहली बार छछड अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गई। फिर 2024 में दोबारा चुनाव लड़ा और पहले चरण में बहुत हासिल करने के बावजूद अंतिम दौर में शिगेरू इशिबा से मामूली अंतर से हार गई। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आखिरकार 2025 के आखिर में उन्होंने तीसरी बार चुनाव लड़कर शिंजोरी थोइजुमी की हराया और छछड की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। इसके बाद छछड–कोमेतो गठबंधन टूटने पर उन्होंने जापान इनोवेशन पार्टी के साथ नया गठबंधन बनाया और 21 अक्टूबर को जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

श्रुति कृष्णा का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जिसकी कहानी बेहद



अलग है। उनके पिता जीवी कृष्णा थिएटर जगत से जुड़े हुए थे और अपनी थिएटर कंपनी चलाते थे। इसी दौरान उन्होंने थिएटर मंडली की सदस्य जुड़वां बहनों राधा और रुक्मिणी से शादी की थी। इस परिवार में तीन बच्चों का जन्म हुआ– श्रुति, शरणा और ऊष्मा।

बच्चों को नहीं बताया कौन है असली मां?

परिवार ने शुरूआत से ही एक अनोखा फैसला लिया। बच्चों को कभी ये नहीं बताया जाएगा कि उनकी असली मां कौन है। यही वजह है कि आज तक तीनों भाई–बहनों को ये जानकारी नहीं है कि वह किस मां की संतान हैं। परिवार के सभी सदस्य एक–दूसरे को समान प्रेम और सम्मान देते हैं, जिसने इस रिश्ते को और भी खास बना दिया।

गिरिजा से बनीं श्रुति, 14 साल की उम्र में रखा था फिल्मों में कदम

बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रुति कृष्णा का असली नाम गिरिजा था। उन्होंने महज 14 साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'नंबिदे नंबि बिट्टे बिडी' में उन्होंने



क्रेडिट दिया गया लेकिन ये नाम उन्हें पसंद नहीं आया। उसी साल फिल्म 'श्रुति' की शूटिंग के दौरान निर्देशक ने उन्हें सुझाव दिया कि वह फिल्म के नाम को ही अपना स्क्रीन नेम बना लें। इसके बाद गिरिजा हमेशा के लिए श्रुति बन गई और इसी नाम से दर्शकों के बीच मशहूर हुई। कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम सिनेमा तक बनाई पहचान श्रुति कृष्णा ने अपने अभिनय के दम पर बनाई फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। उनकी पॉपलेरिटी असली मां कौन है। यही वजह है कि आज तक तीनों भाई–बहनों को ये जानकारी नहीं है कि वह किस मां की संतान हैं। परिवार के सभी सदस्य एक–दूसरे को समान प्रेम और सम्मान देते हैं, जिसने इस रिश्ते को और भी खास बना दिया। गिरिजा से बनीं श्रुति, 14 साल की उम्र में रखा था फिल्मों में कदम बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रुति कृष्णा का असली नाम गिरिजा था। उन्होंने महज 14 साल की उम्र में कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'नंबिदे नंबि बिट्टे बिडी' में उन्होंने

JETRO बिजनेस फोरम में नरेंद्र मोदी ने कहा, जापान के पास अनुभव की ताकत है, गुजरात के पास उद्यम की शक्ति. जापान के पास तकनीक है और गुजरात के पास उसे अपनाने की क्षमता. यही सोच आगे चलकर भारत-जापान आर्थिक साझेदारी की पहचान बनी.

कोबे बंदरगाह का निरीक्षण करते समय उन्होंने दूर से देखने के बजाय नाव के जरिए पूरे ऑपरेशनल क्षेत्र का दौरा किया. विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर देखकर उन्होंने कहा, एक दिन मैं धोलेरा को भी ऐसा ही बनाऊंगा. बाद में विकसित हुु धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (रकम) में इस सोच की झलक साफ दिखाई दी.

बुलेट ट्रेन का वही अनुभव आज काम आ रहा

प्रधानमंत्री बनने के बाद यही अनुभव भारत-जापान संबंधों की सबसे बड़ी ताकत बने. मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, दिल्ली–मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, रक्षा सहयोग, स्प्लाई चैन रेजिलिएंस और हाई–टेक साझेदारी जैसे कई प्रोजेक्ट अचानक नहीं बने. उनकी बुनियाद उन यात्राओं में रखी जा चुकी थी, जब नरेंद्र मोदी जापान को सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि उसे समझ रहे थे, सीख रहे थे और भारत के भविष्य का खाका तैयार कर रहे थे.

यूपी को मिलेगा नया प्रशासनिक ट्रेनिंग सेंटर, सीएम योगी करेंगे राम मनोहर लोहिया अकादमी परिसर का लोकार्पण

(जीएनएस)। लखनऊ। प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में योगी सरकार शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण करेंगे।

लगभग 464 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 22.5 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित यह परिसर प्रदेश की सात दशक से अधिक पुरानी प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन्नत तकनीक और वैश्विक प्रशिक्षण मानकों से जोड़ते हुए नई दिशा देगा।

आईएसएस, पीसीएस समेत विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा नेतृत्व विकास का यह केंद्र भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों के

अनुरूप प्रदेश की शासन व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



प्रदेश की प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था की शुरुआत वर्ष 1951 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल (ओटीएस) से हुई थी। पिछले सात दशकों से अधिक समय में इस संस्थान ने आईएसएस, पीसीएस, न्यायिक सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'बी' अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सुलतानपुर रोड स्थित सीजी सिटी में बने इस नवीन परिसर में एक साथ 300 आवासीय तथा 900 गैर-

टेनिस कोर्ट जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की भी सुविधा होगी।

नया परिसर अधिकारियों और कर्मचारियों को बदलती प्रशासनिक अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के साथ नीति क्रियान्वयन, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी का नया परिसर राज्य में प्रशासनिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा देगा। आधुनिक संसाधनों और वैश्विक मानकों से युक्त यह संस्थान सुशासन, नवाचार और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध, दक्ष एवं संवेदशील प्रशासनिक नेतृत्व तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एम. देवराज, महानिदेशक, डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी

अयोध्या में पहले दिन डेढ़ हजार शिक्षकों ने दी टीईटी परीक्षा, 650 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

(जीएनएस)। अयोध्या। तीन दिनी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 गुरुवार को 17 केंद्रों पर शुरू हुई। ये परीक्षा तीन व चार जून को भी इतने ही केंद्रों पर आयोजित होगी। प्रत्येक केंद्र पर नकल रोकने के लिए एक-एक सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे।

दो पालियों में से प्रत्येक में 7584 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें पहली पाली में 663 व दूसरी पाली में 650 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। पहली पाली की परीक्षा सुबह साढ़े नौ से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर ढाई से शाम पांच बजे तक हुई। पहले दिन उच्च प्राथमिक

टीईटी हुई।

दूसरे दिन शुक्रवार को प्रथम पाली



में उच्च प्राथमिक तथा दूसरी पाली में प्राथमिक स्तर की टीईटी आयोजित की जाएगी। तीसरे दिन शनिवार को

प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता

परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। इसमें

लेकर शिक्षकों की परीक्षा दी। पर्याप्त सुरक्षा कमी केंद्र की निगरानी कर रहे थे। सीसी कैमरों से परीक्षा पर नजर रखी गई और रिकॉर्डिंग कराई गई। पूरे दिन गहमागहमी रही। केंद्रों के सामने अभिभावकों का तांता लगा रहा।

किसी को कठिन तो कई ने बताया आसान प्रश्नपत्र

राजकीय बालिका इंटर कालेज से परीक्षा देकर बाहर आई आरती वर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्र आसान था, तो वहीं पास में मिले उमेश प्रताप ने बताया कि कुछ प्रश्न कठिन होने के कारण छूट गये। इसी तरह कयूम, बेबी गुप्ता आदि ने प्रश्नपत्र को आसान बताते हुए अच्छे अंक हासिल करने की उम्मीद जताई।

लखनऊ में 3 से 5 जुलाई तक होगा उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026

800 से अधिक आम की प्रजातियां होंगी प्रदर्शित, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे शुभारंभ

(जीएनएस)। नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 3 से 5 जुलाई तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में ह्दउत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026ह्द का आयोजन किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे. उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि महोत्सव में 7 श्रेणियों और 56 वर्गों में 800 से

अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा. 4 जुलाई को जन भवन में आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन भी



आयोजित होगा.

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के

अलावा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के उद्यान विभागों के

के लिए आम खाने और आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी. बागवानों के लिए आधुनिक तकनीक, विपणन और कीट नियंत्रण पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी.

मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में आम उत्पादन में पहले स्थान पर है. प्रदेश में 3.27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 61.96 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन होता है. उन्होंने बताया कि आम का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश का दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली सहित कई प्रसिद्ध किस्मों का निर्यात ब्रिटेन, यूएई, जापान, रूस और अन्य देशों में किया जा रहा है.

गोरखपुर को एक और सौगात: ₹689 करोड़ का भटहट-बांसस्थान फोरलेन तैयार, आयुष विश्वविद्यालय जाना अब होगा बेहद आसान

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में बेहतरीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की नई नजीर पेश कर रहे गोरखपुर के विकास पथ पर एक और चमचमाता अध्याय जुड़ने जा रहा है. प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय को जोड़ने वाली भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क पूरी तरह बनकर तैयार है. करीब 689.35 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस 12 किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक सड़क का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों कराने की तैयारियां जिला प्रशासन ने तेज कर दी हैं. इसके शुरू होते ही न केवल स्थानीय लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी, बल्कि दूर-दराज से आने वाले मरीजों के लिए भी आयुष विश्वविद्यालय पहुंचना बेहद सुगम हो जाएगा. रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की नजीर पेश कर रहे गोरखपुर में एक और फोरलेन (भटहट-बांसस्थान) सड़क लोकार्पण के लिए तैयार है. राज्य के पहले आयुष विश्वविद्यालय मार्ग पर इस फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है. जिला प्रशासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इसे जनता को समर्पित करने की तैयारी कर रहा है. इसी सिलसिले में जिलाधिकारी दीपक

मीणा ने गुरुवार को इस फोरलेन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए. कार्यदायी संस्था ने बताया कि निर्माण कार्य पूरा है, वर्तमान में पेंटिंग का काम तेजी से चल रहा है.

₹689.35 करोड़ की लागत से दूर होगी मरीजों की राह भटहट से बांसस्थान तक करीब 12 किमी लंबाई वाली इस फोरलेन सड़क के निर्माण पर 689.35 करोड़ रुपये की लागत आई है. इसी मार्ग पर प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है. पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे आयुष विश्वविद्यालय तक जाने के लिए स्थानीय लोगों और दूर-दराज से आने वाले मरीजों के लिए फोरलेन की कनेक्टिविटी योगी सरकार की तरफ से नई सौगात होगी.

लोक निर्माण विभाग ने तैयार की 'मॉडल रोड' आयुष विश्वविद्यालय तक पहुंचने की राह अब बेहद सुगम हो. इसके लिए भटहट से बांसस्थान तक 11.60

किमी की लंबाई में फोरलेन सड़क का निर्माण कराया गया है. कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड-तीन के अनुसार एक मॉडल रोड के रूप में स्थापित हो सके.

आईपीएस किरन यादव कौन हैं? लखनऊ में तोड़ी 'मिनी जामताड़ा' की कमर, मौके से पकड़े 92 लड़के और 27 लड़कियां

(जीएनएस)। लखनऊ: यूपी की राजधानी लखनऊ में क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गैंग का पर्दाफाश किया है। गोमती नगर स्थित समिट बिल्डिंग में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने 119 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इनमें 92 लड़के और 27 लड़कियां शामिल हैं। इस गिरोह के तार कई देशों से जुड़े होने की बात सामने आई है। यह पूरी कार्रवाई एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच और कई थानों की संयुक्त पुलिस दल ने बुधवार देर रात अंजाम दिया।

2023 को शुरू हुआ था. अब यह सड़क बनकर तैयार है, पेंटिंग का ही काम शेष है जिसे शीघ्रता से कराया जा रहा है. सड़क के दोनों ओर जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, जिससे यह मार्ग एक मॉडल रोड के रूप में स्थापित हो सके.



एसीपी के रूप में सेवानिवृत्त चुकी है। अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी

धीरज वैष्णव? जिनकी संतूर प्रस्तुति पर पीएम मोदी ने कह दी ऐसी बात, हर कोई देखता रह गया

उदयपुर के धीरज वैष्णव ने भारत-जापान समारोह में संतूर बजाकर पीएम मोदी को प्रभावित किया. पीएम ने जापान की पीएम को संतूर सिखाने को कहा. धीरज वैष्णव राजस्थान के उदयपुर जिले के पास स्थित छोटे से गांव डागियां की हुंदर के रहने वाले हैं. उनका जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत का माहौल पहले से था. उनके पिता गोपालदास वैष्णव जाने-माने भजन गायक हैं.

(जीएनएस)। जयपुर. नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में गुरुवार को भारत और जापान के बीच आयोजित एक खास राजकीय समारोह में ऐसा पल आया, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. मंच पर संतूर की मधुर धुन गुंज रही थी और उसे बजा रहे थे राजस्थान के उदयपुर के युवा कलाकार धीरज वैष्णव. उनकी प्रस्तुति इतनी पसंद आई कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुस्कुरा उठे. समारोह के दौरान उन्होंने धीरज से कहा, ह्इअरे वैष्णव, जरा इन्हें संतूर बजाना सिखाओ.ह्द यह सुनकर वहां मौजूद लोगों के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई और माहौल बेहद आत्मीय हो गया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सम्मान में यह राजकीय भोज

आयोजित किया था. इसी कार्यक्रम में धीरज वैष्णव ने संतूर वादन की प्रस्तुति दी. इसके बाद उन्होंने जापान



की प्रधानमंत्री को संतूर बजाने की कुछ शुरुआती बातें भी समझाईं. यह पल समारोह की सबसे खास यादों में शामिल हो गया. बताया जा रहा है कि इस खास मौके का वीडियो भी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. छोटے से गांव से निकलकर पहुंचे अंतरराष्ट्रीय मंच तक धीरज वैष्णव राजस्थान के उदयपुर जिले के पास स्थित छोटे से गांव डागियां की हुंदर के रहने वाले हैं. उनका जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत का माहौल पहले से था. उनके पिता गोपालदास वैष्णव जाने-माने भजन गायक हैं. बचपन से

ही धीरज को घर में संगीत सुनने और सीखने का मौका मिला. यहीं से उनकी रुचि संगीत की ओर बढ़ती

चली गई. वर्ष 2014 में उन्होंने उदयपुर में पंडित रामकृष्ण बोस से तबला वादन की शिक्षा शुरू की. तबले के जरिए उन्होंने लय और ताल की मजबूत समझ बनाई. करीब पांच साल पहले उन्होंने सोपोरी सूफि याना घराना की परंपरा में संतूर सीखना शुरू किया. आज वह दिल्ली में पद्मश्री पंडित भजन सोपोरी के सुपुत्र और प्रसिद्ध संतूर वादक पंडित अभय रूस्तम सोपोरी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं. साथ ही घराने के वरिष्ठ शिष्य दिव्यांश हर्षित श्रीवास्तव से भी संतूर की उन्नत शिक्षा हासिल कर रहे हैं. देश के कई बड़े मंचों पर दे चुके हैं प्रस्तुति

लखनऊ : अमेरिका-रूस और चाइना से होकर हवाला के जरिए आते थे ठगी के पैसे, रात में चलता था कॉल सेंटर; सुबह सभी हो जाते थे गायब

(जीएनएस)। लखनऊ। समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर सब कुछ सामान्य दिखाई देता था। दिन में दप्तर लगभग शांत रहता, लेकिन रात होते ही यहां सैकड़ों फोन एक साथ बजने लगते थे। विदेशी लहजे में बातचीत होती और कंप्यूटर स्क्रीन पर हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोगों का डाटा खुलता।

सुबह होने तक काम खत्म हो जाता और कर्मचारी अपने-अपने प्लैटों की ओर लौट जाते। इसी वजह से लंबे समय तक किसी को इस बात का अंदाजा नहीं हुआ। यही नहीं, रकम अमेरिका से रूस और चाइना होते हुए हवाला के जरिए भारत पहुंचती थी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड अहमदाबाद का रहने वाला विनीत शर्मा है, जो एक प्रतिष्ठित कारोबारी है। सूत्रों के मुताबिक, विनीत की कंपनी ह्दसोलारिस सॉल्यूशन्स की नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा

'मिनी जामताड़ा'! 92 लड़के और 27 लड़कियां मिलकर चलाते थे ठगी का धंधा

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। लखनऊ पुलिस ने शहर के गोमती नगर की समिट बिल्डिंग की 11वीं मंजिल से चल रहे एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच करने वाले अधिकारियों ने इसे 'मिनी जामताड़ा' कहा है। ऑइस मामले में पुलिस ने 119 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें 92 युवक और 27 युवतियां शामिल हैं। यह सभी कथित तौर पर



अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक बहुत ही संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े थे।

जांच में नेटवर्क के तार अहमदाबाद, महाराष्ट्र, गोवा समेत पांच राज्यों से जुड़े मिले हैं। काल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों को पता था कि वे वैध ग्राहक सेवा नहीं बल्कि साइबर ठगी के नेटवर्क का हिस्सा हैं। रात के समय संचालन होने के कारण गतिविधियां सामान्य काल सेंटर

बिल्डिंग में चलने वाले कॉल सेंटर की नजर अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी 392वीं रैंक हासिल की थी। उनके पिता चंडीगढ़ में इंजीनियर हैं। किरण के भाई सूरज यादव कनाडा की कंपनी में इंजीनियर हैं। आईपीएस किरन यादव इससे पहले लखनऊ में ही एसीपी के रूप में सेवानिवृत्त दे चुकी है। अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी आपको बता दें कि समिट

इस रैकेट के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने समिट बिल्डिंग में छापा मारा। पुलिस ने पाया कि वहां एक अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर चल रहा है। इसमें आधुनिक कम्प्युनिकेशन सिस्टम, कई वर्कस्टेशन और कॉलिंग के लिए खास टीम में काम कर रही थीं। ऑपरेशन के दौरान 119 कर्मचारियों और सहयोगियों को हिरासत में लिया गया। जांचकर्ताओं ने 100 लैपटॉप, 178 मोबाइल फोन, स्टोरेज डिवाइस हैं। पुलिस गैंग के सरनानाओं, विदेशी संपर्कों, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और हवाला के जरिये हुए लेनदेन की गहन पड़ताल कर रही है।

लगातार रियाज, मेहनत और अनुशासन के दम पर धीरज वैष्णव ने कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली है. वह विश्व संतूर दिवस 2025 पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में भी संतूर वादन कर चुके हैं. इसके अलावा देश के कई बड़े कॉर्पोरेट सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सरकारी आयोजनों और राष्ट्रीय स्तर के मंचों पर भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं. 2 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और जापान के इस प्रतिष्ठित राजकीय समारोह में प्रस्तुति देना अब तक उनके संगीत जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जा रहा है. इस समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित भारत और जापान के कई वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि भी मौजूद रहे.

सोपोरी सूफियाना घराना की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे रियाज

धीरज वैष्णव का कहना है कि वह भारतीय शास्त्रीय संगीत और सोपोरी सूफि याना घराना की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए लगातार सीख रहे हैं और रियाज कर रहे हैं. उदयपुर के इस युवा कलाकार की उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे राजस्थान को गर्व का मौका दिया है. उनके इस सफर को अब युवा कलाकारों के लिए भी प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है.

जैसी ही प्रतीत होती थीं और इसी वजह से लंबे समय तक किसी को संदेह नहीं हुआ। छपेमारी के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार, डीआइजी साइबर क्राइम, विभूतिखंड थाना पुलिस, साइबर सेल और आन थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद था।

बिल्डिंग मालिक से होगी पूछताछ आफिस किराए पर देने वाले बिल्डिंग बिल्डिंग मालिक से भी पूछताछ की जाएगी, ताकि कार्यालय किराये पर देने से पहले सत्यापन कराया गया था या नहीं। वहीं, बरामद डाटा की मदद से यह पता लगाया जा रहा है कि अब तक इस गिरोह ने कितने लोगों को शिकार बनाया है। परिसर में पुलिस चौकी बनी है। प्रतिदिन पुलिसकर्मी तैनात रहने के बाद भी उन्हें शक नहीं हुआ। सभी लड़कियों के लिए कैब लगी थी, ताकि किसी को कोई शक न हो।

अमेरिकी बोलचाल के लहजे की ट्रेनिंग

पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों का यह सिंडिकेट कथित तौर पर राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल और कई पूर्वोत्तर राज्यों से अंग्रेजी बोलने वाले युवाओं को 30 – 35 हजार रुपये की मासिक सैलरी पर भर्ती करता था। भर्ती किए गए लोगों को काम पर लगाने से पहले अमेरिकी लहजे, पहले से तय बानचीत और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने की तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाती थी।

निशाने पर अमेरिकी नागरिक जांच अधिकारियों के अनुसार, यह रैकेट मुख्य रूप से कानूनी एजेंसियों, बैंकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करके अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाता था। शिकार बनाए जाने वाले लोगों को कथित तौर पर बताया जाता था कि मनी लॉन्ड्रिंग, पहचान छुपाने या वित्तीय धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों के लिए उनकी जांच चल रही है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है। यह साइबर धोखाधड़ी की एक तकनीक है जिसमें पीडितों को लगातार वीडियो या वॉयस कॉल पर रखा जाता है और उन्हें झूठा यकीन दिलाया जाता है कि वे आधिकारिक निगरानी में हैं और उन्हें किसी और से संपर्क करने की इजाजत नहीं है।

जिस 'स्वच्छ कुंड' में सीएम योगी ने की पूजा-अर्चना, वहां मुस्लिम महिलाओं ने पढ़ी नमाज; भड़के हिंदू संगठन, एफआईआर दर्ज

सहारनपुर के ऐतिहासिक स्वच्छ कुंड में सोमवार शाम को कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा नमाज पढ़ने का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है. इस घटना के बाद हिंदू संगठनों ने कड़ा आक्रोश जताते हुए नगर निगम के खिलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

(जीएनएस)। सहारनपुर के गंगोह रोड स्थित गोगा म्हाड़ी परिसर के ऐतिहासिक स्वच्छ कुंड में सोमवार शाम कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा नमाज अदा करने का एक सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है. यह परिसर सनातन आस्था का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद गंगाजल अर्पित कर और पूजा-अर्चना करके जीर्णोद्धार किया था. पवित्र धार्मिक स्थल पर इस तरह की गतिविधि सामने आने के बाद हिंदू संगठनों और गोगा म्हाड़ी सुधार सभा के सदस्यों में भारी

आक्रोश फैल गया है. हिंदू संगठनों की शिकायत और तहरीर के बाद सहारनपुर की थाना पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सीस टीवी के आधार पर कानूनी जांच और आगे की कार्रवाई शुरू कर



दी है. **सोमवार शाम को क्या हुआ था?** सरोवर के केयरटेकर मोहित वशिष्ठ ने बताया कि सोमवार शाम करीब 6 बजे तीन-चार महिलाएं और कुछ बच्चे परिसर की सीड़ियों पर आकर बैठ गए थे. इसी दौरान अचानक महिलाएं वहां नमाज पढ़ने लगीं. जैसे ही कर्मचारियों ने इसके

बारे में सूचित किया, केयरटेकर और उनके वालंटियर तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्होंने महिलाओं को कड़े शब्दों में समझाया कि यह एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल है और यहां ऐसी किसी गतिविधि की अनुमति नहीं है जिससे



किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचे, जिसके बाद उन्हें वहां से हटा दिया गया. **1200 वर्ष पुराना आस्था का केंद्र** गोगा म्हाड़ी सुधार सभा के अध्यक्ष अनिल प्रताप सैनी ने इस घटना के लिए नगर निगम प्रशासन और मेयर को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि यह

लगभग 1200 वर्ष पुराना पवित्र स्थल है, जहां से जाहरवीर गोगा जी महाराज के ऐतिहासिक मेले की शुरुआत हुई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्क बनने के बाद से बाहरी लोगों की आवाजाही बढ़ी है और कुछ लोग कुंड में वजू व कुल्ला करते भी दिखे हैं. सुधार सभा के सभी दस्तावेज अब तैयार हैं और वे जल्द ही लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे.

पुलिस और प्रशासन का एक्शन घटना पर नगर निगम के मेयर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की पूरी जांच कराई जाएगी और लापरवाही मिलने पर पार्क संचालक के खिलाफ कार्रवाई होगी. दूसरी तरफ, एसपी सिटी व्योम बिंदल ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस को इस संबंध में तहरीर प्राप्त हो गई है. अज्ञात महिलाओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सभी तथ्यों की बारीकी से जांच की जा रही है. हिंदू संगठनों ने मांग पूरी न होने पर नगर निगम के खिलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है.

लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर की खाली जमीन पर बनेगा डायग्नोस्टिक सेंटर, PMJVK के तहत 71 प्रस्ताव को मिली मंजूरी

(जीएनएस)। लखनऊ। लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर में खाटू श्याम मंदिर के करीब खाली पड़ी जमीन पर डायग्नोस्टिक सेंटर बनेगा, जिसे डॉ. राम मनोहर लोहिया आधुर्विज्ञान संस्थान से लिंक रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 71 नई परियोजनाएं शुरू होंगी।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के इस प्रस्ताव को मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता वाली राज्य समिति ने मंजूरी प्रदान कर दी है, जिसे केन्द्र सरकार को भेजा जाएगा।

पीएमजेवीके के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता, खेल, पशुपाल, पर्यटन विकास के कार्य

कराये जाते हैं।

गुरवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई



के लिए आवंटित धन से हुए कार्यों का तकनीकी समिति से मूल्यांकन कराने का निर्देश दिया गया।

जाए। पूर्ण हो चुकी परियोजना का प्रशासकीय विभागों को हस्तांतरण किया जाए। जिन परियोजनाओं के उपभोग प्रमाण पत्र (यूसी) लंबित हैं, उन्हें कार्यदायी संस्थाओं एवं जिलाधिकारियों के समन्वय से शीघ्र प्राप्त किया जाए। इसके अतिरिक्त समिति ने 490.67 करोड़ रुपये की लागत वाले 71 विकास प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की इस समिति ने 32 परियोजनाएं लंबित हैं, जिन्हें इसी वर्ष पूर्ण करा लिया जाएगा। एक वर्ष में 89 प्रतिशत उपभोग प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को भेजा गया है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 40 परियोजनाएं लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

30 साल बाद एवरेस्ट से लौटेगा आईटीबीपी जवान का शव, कौन है हिमालय का 'ग्रीन बूट्स' और कितना खतरनाक है मिशन?

(जीएनएस)। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर पिछले करीब 30 साल से मौजूद 'ग्रीन बूट्स' अब अपने घर लौट सकता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इस शव की पहचान भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के पर्वतारोही दोरजे मोरुप के तौर पर की है। अब सरकार ने उनके पार्थिव शरीर को एवरेस्ट के सबसे खतरनाक इलाके 'डेथ जोन' से वापस लाने के लिए एक विशेष मिशन शुरू करने का फैसला किया है। अगर यह ऑपरेशन सफल रहा तो अक्टूबर 2026 तक उनका पार्थिव शरीर दिल्ली लाया जा सकता है।

कैसे पड़ा 'ग्रीन बूट्स' नाम? यह कहानी साल 1996 की है। उस समय क्लाइड की एक टीम माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान आए भीषण बफीलें तूफान में टीम के तीन सदस्य लापता हो गए। तूफान खत्म होने के बाद जब दूसरा दल ऊपर पहुंचा, तो उन्हें मुख्य रास्ते से करीब 350 मीटर दूर बर्फ की एक गुफा में एक पर्वतारोही का शव मिला। उस शव ने चमकीले हरे रंग के जूते पहन रखे थे। इसी वजह से दुनिया भर के पर्वतारोहियों ने उसे 'ग्रीन बूट्स' नाम दे दिया। पहले किसी और की माना जाती थी **डेड बॉडी**

कई सालों तक माना जाता रहा कि यह शव ITBP के पर्वतारोही रत्नेवांग पालजोर का है। लेकिन हाल में हुई तकनीकी जांच, दस्तावेजों और रिकॉर्ड की दोबारा जांच के बाद सरकार ने पुष्टि की कि यह शव वास्तव में दोरजे मोरुप का है। अब उनके परिवार और क्लाइड के लिए उन्हें सम्मान के साथ घर लाने की उम्मीद बढ़ गई है। **क्या है एवरेस्ट का 'डेथ जोन'?** एवरेस्ट पर 8,000 मीटर से ऊपर के हिस्से को 'डेथ जोन' कहा जाता है। यहां ऑक्सीजन इतनी कम होती है



कि इसानी शरीर धीरे-धीरे काम करना बंद करने लगता है। यही वजह है कि इस इलाके में ज्यादा देर तक रहना बेहद खतरनाक होता है। पिछले 30 सालों से 'ग्रीन बूट्स' इसी डेथ जोन में मौजूद था और एवरेस्ट के उत्तर-पूर्वी मार्ग से चढ़ने वाले पर्वतारोहियों के लिए यह एक तरह का लैंडमार्क बन गया था। कई पर्वतारोही यहां रुककर आराम करते थे और इसी के आधार पर शिखर की दूरी का अंदाजा लगाते थे।

शव को नीचे लाना इतना मुश्किल क्यों है? एवरेस्ट से किसी शव को नीचे लाना दुनिया के सबसे कठिन रेस्क्यू ऑपरेशनों में गिना जाता है। अत्यधिक ठंड के कारण शरीर पूरी तरह जमकर पत्थर जैसा सख्त हो जाता है। कपड़े, पहाड़ चढ़ने में इस्तेमाल होने वाले इक्विपमेंट्स और बर्फ मिलाकर उसका वजन करीब 200 किलोग्राम करने की कोशिश की जाती है। इतनी ऊंचाई पर इतने भारी वजन को नीचे लाना खुद रेस्क्यू टीम की जान के लिए भी बड़ा खतरा होता है। मौसम कभी भी खराब

गोयल ने कहा कि अधिकारी न्यायालयों में लंबित वादों और विवादों के कारण प्रभावित परियोजनाओं के निस्तारण के लिए प्रभावी प्रयास किया जाए। एक वर्ष में 89 प्रतिशत उपभोग प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को भेजा गया है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 40 परियोजनाएं लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

एलडीए प्रशासन कह रहा है इमारत का मानचित्र आवासीय में पास कराया गया था और उसका इस्तेमाल व्यावसायिक में किया जा रहा था। वहां सेटबैक की जगह भी नहीं थी और भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था। लखनऊ, आम आदमी अपने घर की टूटी छत भी ठीक कराना शुरू करे तो लखनऊ विकास प्राधिकरण के कर्मचारी आ धमकते हैं। उधर, करीब तीन दशकों में शहर में एलडीए की ही कॉलोनियों में मुख्य सड़क और उससे लगी चौड़ी सड़कों के किनारे घर तोड़कर 30 हजार से अधिक आवासीय प्लॉटों पर होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, कोचिंग सेंटर और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स तन गए हैं। इन्हें तोड़ा जाना चाहिए, पर एलडीए के अफसर इन पर मेहरबान हैं। यही वजह है कि छह

अपने वीरों को कभी नहीं भूलता और कठिन से कठिन हालात में भी उन्हें सम्मान के साथ घर लाने की पूरी कोशिश करता है।

पहले सांठगांठ कर अवैध इमारतों को किया रोशन, अब एलडीए से सील भवनों के बिजली कनेक्शन काटने के आदेश

(जीएनएस)। लखनऊ , राजधानी लखनऊ में जिस बिजली विभाग ने सांठगांठ से अवैध इमारतों को रोशन करने का काम किया, अब उन्हीं पर अंधेरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। ऐसी इमारतों की बिजली काटने की सूची लखनऊ मध्य, जानकीपुरम, गोमतीनगर, अमौसी जोन को भेजी गई है। हालांकि, ऐसी सील इमारतों में बिजली कनेक्शन देने वालों की भी पहचान का काम शुरू हुआ है। इसी पर एक रिपोर्ट।

इन होटल की बत्ती कटी होटल टीसी विराजखंड, दि सेम इन विराजखंड, रॉयल कासा इन विराजखंड, शिवा ग्रांड विभूतिखंड,

यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं में लखनऊ का परचम, मई में 75 जनपदों एवं 18 मंडलों में प्रथम स्थान पर बरकरार

(जीएनएस)। लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं को किसी से चुनौती नहीं मिली। लगातार दूसरे महीने रैंकिंग में शीर्ष पर है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के जारी हेल्थ रैंकिंग डैशबोर्ड (मई-2026) में जनपद लखनऊ ने प्रदेश के 75 जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके साथ ही लखनऊ मंडल ने भी प्रदेश के 18 मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का परिचय दिया है।

डैशबोर्ड के अनुसार जनपद लखनऊ ने 0.75 समेकित स्कोर के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मार्च-2026 में जनपद लखनऊ 16वें स्थान पर था। अप्रैल-2026 में उल्लेखनीय सुधार करते हुए 44वें स्थान से सीधे प्रथम स्थान पर पहुंचा और मई-2026 में भी प्रदेश में अपना प्रथम स्थान बरकरार रखा। यह प्रदेश में सर्वाधिक रैंक सुधार का उदाहरण है।

इसी प्रकार लखनऊ मण्डल ने 0.66 समेकित स्कोर के साथ प्रदेश के सभी 18 मण्डलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो मंडलीय स्तर पर

प्रभावी अनुश्रवण एवं समन्वित कार्यप्रणाली का परिणाम है।

प्रमुख संकेतकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन गर्भवती महिलाओं की एचआईवी स्क्रीनिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान।



पूर्ण टीकाकरण (बीसीजी, पेंटा-1, 2, 3 एवं खसरा) में प्रदेश में प्रथम स्थान।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत अस्थायी एवं स्थायी साधनों की स्वीकृति में भी शीर्ष प्रदर्शन। **ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन** जनपद के बख्शी का तालाब, मल एवं मोहनलालगंज ब्लॉक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ब्लॉक रहे। वहीं लखनऊ (नगर), मलिहाबाद एवं गोसाईगंज ने गत माह की तुलना में सर्वाधिक सुधार दर्ज किया। विशेष बात यह रही कि किसी भी ब्लॉक के प्रदर्शन में पिछले माह की तुलना में

गिरावट नहीं आई।

मंडल के जनपदों का प्रदर्शन
1. लखनऊ – प्रदेश में प्रथम स्थान
2. हरदोई – 9वां स्थान

मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ डॉ. एनबी सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय मण्डलीय स्वास्थ्य टीम, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक तथा समस्त चिकित्सा अधीक्षकों, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधकों, सहायक शोध अधिकारियों, डाटा एंट्री ऑपरेटर, समस्त स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियों, आशा एवं एएनएम सहित प्रत्येक फील्ड स्तर के कार्यकर्ता को दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिला एवं मंडलीय टीम की नियमित समीक्षा, डेटा की गुणवत्ता, फील्ड मॉनिटरिंग तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण यह उपलब्धि संभव हो सकी है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण, टीम भावना एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति के साथ कार्य करने का आह्वान किया, जिससे लखनऊ जनपद एवं लखनऊ मण्डल स्वास्थ्य सेवाओं में प्रदेश का नेतृत्व निरंतर बनाए रख सकें।

एसआईटी ने तैयार की लखनऊ अग्निकांड की जांच रिपोर्ट, कई बड़े अफसरों पर गिर सकती है गाज

(जीएनएस)। लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित गेमिंग जोन व कोचिंग सेंटर में लगी आग की जांच पूरी हो गई है। मामले की जांच के लिए गठित दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) ने रिपोर्ट तैयार कर ली है। यह जांच रिपोर्ट जल्द ही मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। सूत्रों के अनुसार एसआईटी ने शासन को इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों व विभागों के नाम सौंप दिए हैं।

लखनऊ के गेमिंग जोन में पिछली 22 जून को लगी आग में 15 युवाओं की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच की जिम्मेदारी पर्यटन

विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और एडीजी जोन लखनऊ



प्रवीण कुमार को सौंपी थी। इसके बाद घटनास्थल पर दो से तीन बार दौरा कर एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट

तैयार कर ली है।

दोषियों को किया गया चिह्नित

ली गई रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच में सामने आए तथ्यों को शामिल किया है। इन्हीं आधार पर दोषियों को चिह्नित किया गया है।

एसआईटी ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की संस्तुति भी की है। जांच रिपोर्ट में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के कई सेवानिवृत्त अधिकारियों और विद्युत सुरक्षा निदेशालय के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। विद्युत सुरक्षा निदेशालय की लापरवाही से इमारत में 20 किलोवाट के स्वीकृत भार से कहीं ज्यादा 35 किलोवाट भार का इस्तेमाल किया जा रहा था।

30 हजार से अधिक आवासीय भूखंडों पर बने कॉम्प्लेक्स, इंजीनियरों और अफसरों की मिलीभगत से हुआ निर्माण

एलडीए प्रशासन कह रहा है इमारत का मानचित्र आवासीय में पास कराया गया था और उसका इस्तेमाल व्यावसायिक में किया जा रहा था। वहां सेटबैक की जगह भी नहीं थी और भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था।

लखनऊ, आम आदमी अपने घर की टूटी छत भी ठीक कराना शुरू करे तो लखनऊ विकास प्राधिकरण के कर्मचारी आ धमकते हैं। उधर, करीब तीन दशकों में शहर में एलडीए की ही कॉलोनियों में मुख्य सड़क और उससे लगी चौड़ी सड़कों के किनारे घर तोड़कर 30 हजार से अधिक आवासीय प्लॉटों पर होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, कोचिंग सेंटर और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स तन गए हैं। इन्हें तोड़ा जाना चाहिए, पर एलडीए के अफसर इन पर मेहरबान हैं। यही वजह है कि छह

हजार से अधिक ध्वस्तीकरण के आदेश फाइलों में डंप हैं। अलीगंज में सोमवार को हुए अग्निकांड के बाद एलडीए प्रशासन



कह रहा है इमारत का मानचित्र आवासीय में पास कराया गया था और उसका इस्तेमाल व्यावसायिक में किया जा रहा था। वहां सेटबैक की जगह भी नहीं थी और भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था।

हालांकि, शहर में एलडीए की सभी कॉलोनियों में मुख्य सड़क पर मकानों को तोड़कर इसी तरह वर्षों से व्यावसायिक इमारतें बनाकर इस्तेमाल

किया जा रहा है, लेकिन इन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। शहर में अवैध निर्माण को यह स्थिति तब है जब क्षेत्रीय इंजीनियर और सुपरवाइजर क्षेत्र में निरीक्षण करने का दावा भी करते हैं। एलडीए प्रशासन की

पुरनिया चौराहा से सेक्टर-के होते हुए बेलीगार्दर (श्याम स्टादर) होते चौराहा तक, सेक्टर-क्यू और इंजीनियरिंग कॉलेज तक, छन्नी लाल चौराहे से कपूरथला होते हुए अलका तिराहे तक। यही हाल अलका तिराहे से पुरनिया चौराहा और चंद्रलोक कॉलोनी का भी है। यहां पर इन दिनों रोजाना एक घर टूट रहा है और कॉम्प्लेक्स, रेस्टोरेंट खुल रहे हैं। संगम चौराहा, केंद्रीय भवन के सामने, सेक्टर-ई अलीगंज, गोमतीनगर पत्रकारपुरम, व आशियाना और एलडीए कॉलोनी में खुलेआम व्यावसायिक निर्माण चल रहे हैं।

तय है अवैध निर्माण कराने का रेट मानचित्र के विपरीत इमारत बनाने के लिए एलडीए इंजीनियरों का रेट तय है। एक जानकार ने बताया कि मानचित्र के विपरीत निर्माण पर जब तक बिल्टिंग वनमती है, इंजीनियर हर महीना तय करके के अलावा प्रति स्लैब रुपये अलग वसूलते हैं। एक चार मंजिला बिल्टिंग पर 20 से 25 लाख रुपये इंजीनियर वसूल लेता है।